खबर संक्षेप

जप्त मादक पदार्थों का प्रि-ट्रायल विनष्टीकरण संपन्न

शहडोल। पुलिस विभाग ने एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्त किए गए मादक पदार्थों के प्रि-ट्रायल विनष्टीकरण की बड़ी कार्रवाई की है। यह कार्यवाही 29 अक्टूबर 2025 को एसीसी सीमेंट फैक्ट्री, कैमोर (जिला कटनी) में विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत संपन्न कराई गई। कार्यवाही के दौरान पुलिस महानिरीक्षक प्रमोद वर्मा, पुलिस उपमहानिरीक्षक शहडोल रेंज सुश्री सविता सोहाने, पुलिस अधीक्षक शहडोल रामजी श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर्र रहमान सहित तीनों जिलो शहडोल, उमरिया और अनूपपुर के पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। यह पूरी प्रक्रिया सक्षम अधिकारियों की मौजूदगी में सुरक्षा और पर्यावरणीय मानकों का पालन करते हुए की गई। इस दौरान कुल 130 प्रकरणों में जप्त मादक पदार्थों का नष्टिकरण किया गया, जिनमें 4691 किलोग्राम गांजा, 2814 नग कफ सिरप, 878 इंजेक्शन और 51,323 प्रतिबंधित टेबलेट्स शामिल थीं। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मादक पदार्थों के खिलाफ यह कार्रवाई शासन की नशा-मुक्त समाज की नीति के अनुरूप की गई है और भविष्य में भी इस तरह की सख्त कार्यवाही जारी रहेगी। की गई है और भविष्य में भी इस तरह की सख्त कार्यवाही जारी रहेगी।

पूर्व सरपंच श्रीनिवासन तिवारी के निधन से शोक

शहडोल। सोहागपुर जनपद की ग्राम पंचायत बोडरी के पूर्व सरपंच एवं उपसरपंच पंडित श्रीनिवासन तिवारी का बीते दिनों निधन हो गया। श्री तिवारी ने करीब 10 वर्षों तक पंचायत में जनसेवा करते हुए महत्वपूर्ण योगदान दिया था। वे क्षेत्र में अपनी ईमानदारी और सामाजिक कार्यों के लिए विशेष रूप से सम्मानित थे। उनके निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है।

दुष्कर्म कर फरार हुआ आरोपी

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र में अब एक दसवीं की छात्रा का अपहरण कर जंगल में उसके साथ आरोपी ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। घटना के बाद पीड़िता अपने घर पहुंची और परिजनों को आपबीती बताई है, इसके बाद परिजनो के साथ पीड़िता थाने पहुंची और मामले की पुलिस से शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने आरोपी की पहचान कर उस पर अपहरण व दुष्कर्म का मामला दर्ज कर अपनी जांच शुरू की है, आरोपी फरार है। ब्यौहारी थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली दसवीं की छात्रा स्कूल गई थी, तभी स्कूल के सामने से बदमाश ने छात्रा का अपहरण कर लिया और अपनी मोटर साइकिल में बैठकर उसे जंगल ले गया और जंगल में उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम देकर फरार हो गया है। घटना के बाद पीड़िता अपने घर पहुंची और परिजनों से इस घटना के बारे में बताया, परिजन पीड़िता को लेकर थाने पहुंचे और मामले की शिकायत पुलिस से दर्ज करवाई है। आरोपी पीड़िता के गांव का ही रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी पर नामजद मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। घटना के बाद से आरोपी फरार है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

एनडीपीएस एक्ट में दो आरोपी गिरफ्तार, 94 नशीले इंजेक्शन बरामद

शहडोल। कोतवाली पुलिस ने नशे के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से बड़ी मात्रा में नशीले इंजेक्शन बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ के बाद नशीले पदार्थों की अवैध सप्लाई में शामिल अन्य व्यक्तियों की भी पहचान की है। पुलिस के अनुसार, 28-29 अक्टूबर 2025 की रात को कस्बा पेट्रोलिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि पुरानी बस्ती स्थित अंडरब्रिज के पास एक युवक सफेद रंग की मोटरसाइकिल से नशीले इंजेक्शन की बिक्री के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा है। सूचना पर कोतवाली पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर आरोपी निखिल सेन पिता राम वहोर सेन उम्र 21 वर्ष निवासी पुरानी बस्ती शहडोल को गिरफ्तार किया। तलाशी में उसके कब्जे से कुल 94 नग नशीले इंजेक्शन बरामद हुए, जिनमें रेक्शोजेसिक 18 नग, एविल 58 नग और फेनार्गन 18 नग शामिल हैं।पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि उसने यह इंजेक्शन विनय दाहिया उर्फ बॉबी पिता संतोष दाहिया उम्र 22 वर्ष से खरीदे थे। पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया। विनय ने पूछताछ में बताया कि उसने भोपाल के एक अज्ञात व्यक्ति से लगभग 300 नशीले इंजेक्शन खरीदे थे, जिनमें से कुछ इंजेक्शन उसने निखिल सेन, राहुल मिश्रा, राज कछवाहा और सचिन तिवारी को बेचे थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों से दो मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल भी जब्त की है।

कलेक्टर के निर्देश पर चला अतिक्रमण विरोधी अभियान

फुटपाथ होंगे मुक्त, सड़कों को मिलेगी नई चौड़ाई

इंट्रो- कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देशन में बुधवार से नगर पालिका प्रशासन, पुलिस और जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से अतिक्रमण विरोधी मुहिम की शुरुआत की गई। यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक नगर के फुटपाथों और मुख्य मार्गों को अवैध कब्जों से मुक्त नहीं करा लिया जाता। शासन की मंशा शहर को सुंदर, स्वच्छ और यातायात के लिहाज से सुगम बनाना है, ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

शहडोल।

संभागीय मुख्यालय में बुधवार को प्रशासनिक सख्ती के साथ अतिक्रमण विरोधी मुहिम की शुरुआत हुई। नगर के हृदय स्थल राजेंद्र टॉकीज चौक से शुरू हुई इस कार्रवाई में नगर पालिका और प्रशासनिक अधिकारी संयुक्त रूप से मौजूद रहे। जेसीबी और भारी कर्मचारी दल की मौजूदगी में फुटपाथों और सड़कों पर किए गए अवैध कब्जों को हटाया गया। कई जगहों पर लोगों ने विरोध भी जताया, लेकिन प्रशासन अपने कड़े रुख पर कायम रहा। नगर पालिका क्षेत्र में सबसे अधिक अतिक्रमण सब्जी मंडी परिसर, शेर चौक और मुख्य बाजार में किया गया है, यहां दुकानदारों द्वारा सड़कों पर सामान रखकर फुटपाथों पर कब्जा किये हुए हैं, जिससे

अवैध कब्जों पर होगी कठोर कार्यवाही

अभियान के दौरान यह भी पाया गया कि कई स्थानों पर ठेले और अस्थायी दुकानों के नाम पर अवैध कब्जे किए गए हैं। लगभग 30 प्रतिशत ठेले और बनाई गई छोटी दुकानें खाली पड़ी हैं, जिनका उपयोग स्थानीय दबंग और रसूखदार लोग किराए पर देने के लिए करते हैं। नगर पालिका प्रशासन ने ऐसी दुकानों को प्राथमिकता से हटाने की कार्ययोजना बनाई है। सूत्रों के अनुसार, नगर में करीब 50 से 60 स्थान ऐसे हैं जो फुटपाथ पर बने अस्थायी ढांचे हैं और जिन्हें कुछ नेताओं, पार्षदों और रसूखदार व्यक्तियों ने भाड़े पर दे रखा है। इस तरह की गतिविधियों से न केवल शहर की सुंदरता प्रभावित होती है, बल्कि आम नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा भी खतरे में पड़ती है। अब ऐसे सभी अवैध कब्जों की पहचान कर कठोर कार्रवाई की जा रही है।

राहत और गर्व का होगा अनुभव

नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि नगर पालिका और जिला प्रशासन मिलकर ऐसी नीति बना रहे हैं, जिससे छोटे व्यवसायी अपने परिवार का भरण-पोषण जारी रख सकें। घनश्याम जायसवाल ने बताया कि आने वाले समय में नगर की सड़कों का चौड़ीकरण, डिवाइडर निर्माण और रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा। इसके लिए प्रदेश सरकार और नगर पालिका प्रशासन संयुक्त रूप से काम कर रहे हैं। अतिक्रमण हटाने के बाद सड़कें और मार्ग चौड़े होंगे, जिससे यातायात व्यवस्था में सुधार होगा और संभागीय मुख्यालय की सुंदरता में भी वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल अवैध कब्जों को हटाने का नहीं, बल्कि शहडोल शहर को एक नए स्वरूप में विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम है। प्रशासन की मंशा शहर को स्वच्छ, आकर्षक और नागरिकों के लिए सुविधाजनक बनाना है। जब शहर के फुटपाथ मुक्त होंगे, सड़कें चौड़ी होंगी और सार्वजनिक स्थल खुले होंगे, तब नागरिकों को भी राहत और गर्व का अनुभव होगा।

दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही में दिक्कत होती हैं। आम नागरिकों को भी चलने में परेशानी होती है, नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल ने कहा कि जिन दुकानदारों को ग्राहक की आवश्यकता होती है, वे वैसे भी दुकान पर पहुंचते हैं, ऐसे में फुटपाथ पर कब्जा कर रखने का कोई औचित्य नहीं है।

सड़क अभाव में दर्दनाक हादसा कीचड़ में फिसलकर गिरी महिला की मौत

शहडोल। जिले के देवलौंद थाना क्षेत्र के बुढ़वा धरी नंबर-2 गांव में सड़क न होने की वजह से एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। गांव की 27 वर्षीय महिला सुनीता साकेत पत्नी संदीप उर्फ मनोहर साकेत की कीचड़ भरे रास्ते में फिसलकर गिरने से मौत हो गई। सड़क विहीनता का आलम ऐसा रहा कि महिला के शव को परिजनों ने एंबुलेंस तक ले जाने के लिए कंधों पर रखकर घर तक पहुंचाया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने प्रशासन की संवेदनहीनता को उजागर कर दिया है। जानकारी के अनुसार, मृतका सुबह अपने बच्चों को स्कूल छोडने जा रही थी। लगातार बारिश से साकेत मोहल्ले का रास्ता कीचड़ में तब्दील हो चुका था। इसी दौरान उसका पैर फिसला और वह मेढ़ से नीचे गिर गई, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने कहा कि वर्षों से सड़क निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक किसी अधिकारी या जनप्रतिनिधि ने ध्यान नहीं दिया। जिला पंचायत सदस्य दुर्गेश तिवारी ने भी इस हादसे को लेकर अपनी ही सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब तक गांव की मिट्टी पर सड़क नहीं बनेगी, तब तक विकास के दावे खोखले रहेंगे। ग्रामीणों को कीचड़, गर्भवती महिलाओं को अस्पताल तक पहुंचाने और बच्चों को स्कूल भेजने में रोजाना परेशानी झेलनी पड़ती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल सड़क निर्माण की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाएं दोबारा न हों। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर शव का पीएम कराते हुए परिजनों को सौंप दिया है।

नीलगाय के मासूम शावक की दर्दनाक मौत

शहडोल।

रीवा-शहडोल मार्ग पर ग्राम पंचायत सेमरा के पास बुधवार को वन विभाग की घोर लापरवाही के कारण एक मासूम नीलगाय के बच्चे की मौत हो गई। कुत्तों के हमले में गंभीर रूप से घायल हुआ यह शावक सडक़ किनारे घंटों तड़पता रहा, लेकिन सूचना देने के बावजूद वन विभाग का कोई भी अधिकारी या कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा। स्थानीय लोगों ने शावक की जान बचाने के हरसंभव प्रयास किए, परंतु विभागीय उदासीनता ने अंततः उसकी जान ले ली।

ग्रामीणों ने बताया कि सुबह करीब 9 बजे कुत्तों के झुंड ने जंगल से भटके नीलगाय के बच्चे पर हमला कर

दिया। घटना की सूचना तत्काल बीट गार्ड, रेंजर और डिप्टी रेंजर सहित वन विभाग के अन्य अधिकारियों को दी गई। इसके बावजूद शाम तक कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। घायल शावक सडक़ किनारे कराहता रहा, जिसकी वीडियो स्थानीय लोगों ने बनाकर सोशल मीडिया पर साझा की है। ग्रामीणों ने विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह पहला मौका नहीं है जब वन्यजीवों से जुड़ी घटनाओं में विभाग की लापरवाही सामने आई हो। पूर्व में भी घायल जंगली जानवरों की सूचना देने के बाद घंटों इंतजार के बावजूद कोई मदद नहीं मिली।

ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से इस घटना की जांच कर जिम्मेदार वनकर्मियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि विभाग की इस असंवेदनशीलता ने न केवल एक निर्दोष वन्यजीव की जान ली, बल्कि वन्यजीव संरक्षण के प्रति सरकारी दावों की सच्चाई भी उजागर कर दी है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई नहीं की गई तो वे विरोध प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।

अतिवृष्टि से फसलें बर्बाद, कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

शहडोल।

जिले के ब्यौहारी क्षेत्र में हुई अतिवृष्टि से किसानों की फसलें भारी रूप से प्रभावित हुई हैं। लगातार रुक-रुककर हो रही बारिश से खेतों में पानी भर गया है और धान की फसलें गिरने से किसानों को व्यापक नुकसान झेलना पड़ा है। इसी मुद्दे को लेकर ब्यौहारी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने उपजिला अधिकारी को ज्ञापन सौंपा और फसलों के सर्वे के साथ उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। कांग्रेस नेताओं ने ज्ञापन में उल्लेख किया कि अतिवृष्टि के चलते क्षेत्र के दर्जनों गांवों में किसानों की धान की फसलें खेतों में गिर गई हैं, जिससे उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ा है। किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया है और कई जगह धान की बालियां टूटकर खराब हो चुकी हैं। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द नुकसानग्रस्त फसलों का सर्वे कर प्रभावित किसानों को राहत राशि प्रदान की जाए। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य पुष्पेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि मंगलवार की दोपहर हुई लगातार वर्षा ने खेतों में खड़ी फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को त्वरित कार्रवाई कर किसानों की सहायता करनी चाहिए ताकि आगामी रबी सीजन के लिए वे तैयार हो सकें। कांग्रेस ने ज्ञापन में ब्यौहारी से सीधी जाने वाले मार्ग की जर्जर स्थिति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि सडक़ पर बड़े-बड़े गड्ढे और कीचड़ जमा होने से आवागमन में भारी दिक्कतें आ रही हैं। आए दिन इस मार्ग पर दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिनमें कई लोगों की जान भी जा चुकी है। ज्ञापन सौंपने के दौरान हरिशंकर कोरी, विनोद पटेल सहित कई कांग्रेस पदाधिकारी मौजूद रहे। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र सर्वे और मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुआ, तो आंदोलन किया जाएगा।

दुकान की सीट काटकर चोरों ने उड़ाए हजारों का माल

शहडोल।

जिले के बुढ़ार थाना क्षेत्र में चोरों ने एक बार फिर पुलिस की चौकसी को चुनौती देते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। रेलवे मार्केट स्थित एक किराना दुकान की सीट काटकर अज्ञात चोरों ने दुकान में प्रवेश किया और हजारों रुपए नगद के साथ बड़ी मात्रा में किराना सामग्री चोरी कर फरार हो गए। वारदात की जानकारी सुबह दुकान मालिक के पहुंचने पर हुई, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

जानकारी के अनुसार, पीड़ित दुकानदार मुरलीधर सेवानी ने बताया कि जब वह सुबह दुकान पहुंचे तो दुकान के अंदर पानी भरा हुआ था और दरवाजे की हालत संदिग्ध दिखी। अंदर जाकर देखा तो ऊपर की सीट कटी हुई थी, दराज खुले पड़े थे और सामान बिखरा हुआ था। जांच करने पर पता चला कि चोर लगभग चार हजार रुपए नगद और हजारों रुपए का किराना सामान लेकर फरार हो गए हैं। पीड़ित ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिस पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच

शुरू की और अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। स्थानीय व्यापारियों ने बताया कि चोरों ने पहले पास की दो दुकानों में चोरी का प्रयास किया था, जिनमें एक गोदाम और एक इलेक्ट्रिक दुकान शामिल है, लेकिन वहां सफलता नहीं मिलने पर उन्होंने मुरलीधर की दुकान को निशाना बनाया। फिलहाल पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से व्यापारियों में रोष व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने और बाजार क्षेत्र में निगरानी कड़ी करने की मांग की है।

सिंहपुर क्षेत्र में फल-फूल रहा पशु तस्करी का कारोबार, समाजसेवियों ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

फर्जी कांजी हाउस के खिलाफ एफआईआर की मांग

शहडोल।

जिले के सिंहपुर क्षेत्र में अवैध पशु तस्करी का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। वर्षों से समाजसेवियों द्वारा इस अवैध धंधे के खिलाफ आवाज उठाई जा रही है, लेकिन प्रशासन की निष्क्रियता ने तस्करों के हौसले और बुलंद कर दिए हैं। हालात ऐसे हैं कि क्षेत्र के कई युवा अब इस गैरकानूनी व्यापार को रोजगार का जरिया बना चुके हैं। पशु तस्करी जिले में सबसे तेजी से बढ़ता काला कारोबार बन गया है।

समाजसेवियों का आरोप है कि पुलिस और प्रशासन की मिलीभगत से यह धंधा फल-फूल रहा है। सिंहपुर क्षेत्र में चल रहे तथाकथित कांजी हाउस को इस तस्करी का अड्डा बताया जा रहा है, जिसके माध्यम से अवैध रूप से पशुओं की खरीद-फरोख्त की जा रही है। समाजसेवियों ने आरोप लगाया कि इस काम में कुछ तथाकथित सफेदपोश लोग भी शामिल हैं, जिनके खिलाफ कार्रवाई के बजाय पुलिस चुप्पी साधे बैठी है। इसी मुद्दे को लेकर बुधवार को अमरेंद्र तिवारी के नेतृत्व में क्षेत्र के सैकड़ों समाजसेवियों ने कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में फर्जी कांजी हाउस का संचालन बंद करने, जिम्मेदारों पर एफआईआर दर्ज करने और क्षेत्र में पशु तस्करी की जांच के लिए विशेष टीम गठित करने की मांग की गई। समाजसेवियों ने बताया कि चार महीने पूर्व भी इसी विषय पर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन दिया गया था, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द सख्त कदम नहीं उठाए तो क्षेत्र में व्यापक जन आंदोलन शुरू किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान एसडीएम अमृता गर्ग ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि मामले में शीघ्र कलेक्टर से चर्चा कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

खबर संक्षेप

13 दिसंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन

उमरिया। न्यायाधीश, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 दिसंबर को किया गया है । लोक अदालत में न्यायिक प्रकरण आपराधिक, सिविल, श्रम, मोटरयान दुर्घटना क्षति दावा प्रकरण,कुटुम्ब, न्यायालय के लंबित, प्रिलिटिगेशन से समझौता योग्य प्रिलिटिगेशन के रूप में सभी बैंको के प्रकरण,नगर पालिका समकेतिक कर एवं जलकर एवं विद्युत प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा । प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश उमरिया ने अधिवक्ताओ एवं आम जन मानस से अपील की है कि आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाएं ।

आत्मा योजनान्तार्गत सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार से सम्मानित होंगे जिले के किसान

उमरिया। परियोजना संचालक आत्मा ने बताया कि सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा योजनान्तर्गत जिले के सर्वोच्च उत्पादकता हासिल करने वाले कृषकों को जिला स्तर पर व कृषक ब्लाक स्तर पर सर्वोत्तम कृषकों को सम्मानित किया जाना प्रस्तावित है।सम्मान 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर किसानों को दिया जाना है। उन्होने बताया कि जिले के तीनों विकासखण्डों से एक-एक किसान को सर्वोच्च उत्पादकता पुरस्कार दिया जाएगा जिले के समस्त उत्साही व प्रगतिशील कृषकों (जिसमें ऋषि, मत्स्य, उद्यानिकी, पशुपालन,कृषि अभियांत्रिकी) से अपेक्षा है कि वे अपने क्षेत्र अंतर्गत कार्यरत कृषि विस्तार अधिकारी या सीधे वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय से संपर्क कर आवेदन प्राप्त कर निर्धारित प्रपत्र में आवेदन कर सकते है। किसान अपने आवेदन संबंधित विकासखण्ड कार्यालय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखण्ड करकेली/मानपुर/पाली में 15 नवम्बर 2025 तक जमा कर सकते है।नियत तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।किसान भाई अधिक जानकारी हेतु कार्यालय परियोजना संचालक आत्मा समिति जिला उमरिया के कार्यालयीन समय में एवं दूरभाष क्रमांक 07653-222421 पर संपर्क कर सकते है।

माध्यमिक विद्यालय तामान्नारा में बाल विवाह नहीं करने की दिलाई गई शपथ

उमरिया । महिला एवं बाल विकास विभाग व्दारा बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना के तहत ग्राम पंचायत तामान्नारा स्थित माध्यमिक विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस दौरान उपस्थित जनों को बाल विवाह नही करने की शपथ दिलाते हुए कहा गया कि बाल विवाह एक सामाजिक बुराई और कानून का उल्लंघन है, जो बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और विकास में बाधा है, तथा उनके सपनों को साकार होने से रोकता है। इसलिए, मैं शपथ लेता/लेती हूँ कि मैं बाल विवाह के खिलाफ हर संभव प्रयास करूँगा /करूँगी। मैं सुनिश्चित करूँगा / करूँगी कि मेरे परिवार, पड़ोस और समुदाय में किसी बालिका का बाल विवाह न हो। मैं बाल विवाह के किसी भी प्रयास की सूचना पंचायत और सरकार को दूँगा / दूँगी। मैं सभी बच्चों की शिक्षा और सुरक्षा के लिए भी अपनी आवाज बुलंद करूँगा / करूँगी और बाल विवाह मुक्त भारत का निर्माण करूँगा /करूँगी।

विशेषज्ञों ने दी सतर्क रहने की सलाह

मौसम की करवट से किसानों की चिंता बढ़ी

पक चुकी धान की फसल पर बारिश का संकट

उमरिया। जिले में बुधवार की सुबह मौसम ने अचानक करवट ले ली। आसमान में घने बादल छा गए और कई इलाकों में रिमझिम बारिश शुरू हो गई। जिले के बांधवगढ़, पाली, चंदिया, नौरोजाबाद, मानपुर और बिरसिंहपुर क्षेत्र में सुबह से ही बादलों ने डेरा डाले रखा, वहीं दोपहर तक कई स्थानों पर हल्की बारिश होती रही। अचानक हुए इस मौसमी बदलाव ने जहां तापमान में गिरावट ला दी, वहीं किसानों की चिंता भी गहरा दी है। इस समय जिले में धान की कटाई का दौर चल रहा है। कई किसानों ने फसल काटकर खेतों या खलिहानों में सुखाने के लिए फैला रखी है। ऐसे में बारिश के चलते कटी हुई फसल के भीगने का खतरा बढ़ गया है। किसानों का कहना है कि यदि बारिश लंबी चली तो दाने काले पड़ सकते हैं या अंकुरित हो सकते हैं, जिससे उपज की गुणवत्ता पर सीधा असर पड़ेगा। वहीं, जिन किसानों की फसल अभी खेतों में खड़ी है, उन्हें गिरने और सडऩे का डर सता रहा है। पाली क्षेत्र के किसान शिवकुमार पटेल ने बताया कि हमने दो दिन पहले ही धान काटी थी और सुखाने के लिए खेत में रखी थी। सुबह अचानक बारिश आ गई। जल्दी-जल्दी फसल समेटनी पड़ी, लेकिन कई बोझ भीग गए। अगर मौसम साफ नहीं हुआ तो बड़ा नुकसान हो सकता है। ऐसा ही हाल बांधवगढ़ और मानपुर अंचल के किसानों का है। कई जगहों पर बारिश के साथ तेज हवा भी चली, जिससे खेतों में खड़ी फसल झुकने लगी है। किसानों ने चिंता जताते हुए कहा कि इस समय की एक या दो दिन की बारिश भी पूरे सीजन की मेहनत पर पानी फेर सकती है।

मौसम विभाग ने दी चेतावनी

मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मध्य प्रदेश के कई जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना बनी हुई है। उमरिया में अगले 24 घंटों तक बादल छाए रहने और कहीं-कहीं हल्की बारिश जारी रहने का अनुमान है। विभाग ने बताया कि वर्षा के बाद जिले में ठंडक बढ़ेगी और रात का तापमान तीन से चार डिग्री तक गिर सकता है। मौसम वैज्ञानिकों ने किसानों को सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में बारिश की संभावना बनी हुई है, वहां फिलहाल कटाई की प्रक्रिया रोक देना बेहतर होगा। पहले से कटी फसल को ढककर सुरक्षित स्थान पर रख दें ताकि नुकसान को कम किया जा सके।

बाजारों में भी दिखा असर

मौसम में अचानक आई ठंडक का असर जिले के बाजारों में भी नजर आया। सुबह से ही लोगों ने गर्म कपड़ों का उपयोग शुरू कर दिया। सर्द हवाओं के बीच चाय और कॉफी जैसी गरम पेय पदार्थों की दुकानों पर भीड़ लगी रही। व्यापारी वर्ग का कहना है कि जैसे-जैसे ठंड बढ़ेगी, सर्दी से जुड़ी वस्तुओं की बिक्री में इजाफा होगा।

किसानों पर दोहरी मार का खतरा

खेती पर निर्भर जिले के किसानों के लिए यह मौसम दोहरी मार साबित हो सकता है। एक तरफ जहां फसल कटाई के बीच बारिश ने संकट खड़ा किया है, वहीं दूसरी तरफ मंडियों में धान की खरीदी प्रक्रिया अभी पूरी तरह शुरू नहीं हुई है। किसानों को डर है कि अगर बारिश जारी रही, तो नमी वाली फसल मंडियों में अस्वीकृत हो जाएगी। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बारिश फिलहाल हल्की है, लेकिन अगर यह रुकती नहीं है तो नुकसान से इंकार नहीं किया जा सकता। किसानों को चाहिए कि वे कटी फसल को ढकने की व्यवस्था रखें और खेत में पानी की निकासी का ध्यान दें।

सर्दी ने दी दस्तक

लगातार बदले मौसम के चलते जिले में सर्दी ने भी दस्तक दे दी है। सुबह और रात के समय तापमान में गिरावट महसूस की जा रही है। ग्रामीण इलाकों में लोग अलाव जलाकर ठंड से बचाव करने लगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि नवंबर की शुरुआत तक तापमान में और गिरावट दर्ज की जाएगी। फिलहाल जिले के किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए बैठे हैं। सबकी यही प्रार्थना है कि बादल जल्द छंट जाएं और फसल सुरक्षित रहे। बरसात अगर अगले 24 घंटे में थम जाती है तो नुकसान से काफी हद तक बचा जा सकता है, लेकिन बारिश लंबी चली तो इस सीजन की मेहनत पर सचमुच पानी फिर सकता है।

प्राथमिक शाला कोयलारी में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्राथमिक शाला कोयलारी में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत कार्यक्रम संपन्न हुआ।इस अवसर पर उपस्थित जनों को बेटियों की शिक्षा से संबंधित जानकारी एवं बाल विवाह रोकथाम जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर लोगो को महिला हेल्पलाइन नंबर 181 , चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098,पुलिस सहायता नंबर 112 की जानकारी दी।कार्यक्रम के माध्यम से कहा गया कि बेटियो को अच्छी शिक्षा प्रदान करें।बेटियां उच्च पदों पर पहुंचकर ग्राम,जिला, प्रदेश में अपना नाम रोशन कर रही है। इसके साथ ही बेटियो के स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दें। उन्होने कहा कि बाल विवाह एक अभिशाप है। निर्धारित उम्र में ही बालक एवं बालिका की शादी कराएं । बाल विवाह संबंधी शिकायत के लिए स्थापित कंट्रोल रूम का नंबर 07653-292939 स्थापित किया गया है । जिस पर बाल विवाह संबंधी जानकारी प्रदान की जा सकती है, जिस पर त्वरित कार्यवाही की जा सके। कार्यक्रम में महिला बाल विकास के कर्मचारी सावित्री सिंह,सचिन मिश्रा एवं वन स्टॉप सेंटर से सेंट्रल एडमिनिसट्रेटर अनीता चौरसिया संबंधित ग्राम की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताएं और स्कूल के अध्यापकगण उपस्थित रहे ।

राष्ट्रीय बाघ आंकलन अंतर्गत डाटा कलेक्शन कार्य 1 दिसम्बर से 25 जनवरी तक किया जाएगा

उमरिया। उप संचालक बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व ने बताया कि राष्ट्रीय बाघ आंकलन 2026 के अंतर्गत डाटा कलेक्शन कार्य 1 दिसम्बर 2025 से 25 जनवरी 2026 के मध्य 4 चरणों में अलग-अलग चक्रों में आयोजित किया जाएगा। भारत के नागरिक जो 18 वर्ष या अधिक आयु के हैं वे वन्यप्राणी आंकलन कार्य के फेज-1 के अंतर्गत डेटा कलेक्शन कार्य में स्वयं सेवक के रूप में शामिल हो सकते हैं। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के अधिकतम 27 स्वयं सेवक शामिल किये जावेंगे। स्वयं सेवकों को वन क्षेत्रों की विपरीत परिस्थितियों में न्यूनतम 6 दिवसों तक निरंतर मुकाम करने एवं आंकलन कार्य के दौरान दुर्गम वन क्षेत्रों मं प्रतिदिन लगभग 10 कि.मी. पैदल चलने हेतु शारीरिक एवं मानसिक रूप से सक्षम होना अनिवार्य होगा। इच्छुक आवेदक निर्धारित आवेदन प्रारूप में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की ई-मेल आईडी में आवेदन कर सकेंगे। आवेदन करते समय आवेदन पत्र में दर्ज प्रमाण पत्र आदि स्वयं सेवकों के द्वारा हस्ताक्षर उपरांत प्रस्तुत करना होगा। अपूर्ण तथा समस्त दस्तावेजों के साथ न भेजे गये आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। स्वयं सेवकों को उनके निवास स्थल से उनकों आवंटित कैम्प तक एवं लौटने का परिवहन व्यय स्वयं वहन करना होगा तथा आंकलन अवधि में भोजन आदि का व्यय भी स्वयं वहन करना होगा।आंकलन अवधि में स्वयंसेवकों को आवंटित बीट में स्थानीय वनकर्मियों के साथ उनके आवास में ही ठहरना होगा तथा स्वयंसेवक को अपना स्लीपिंग बेग / बेडरोल स्वयं लाना होगा।आंकलन कार्य की प्रारंभिक तिथि से 2 दिवस पूर्व पहुंचकर उन्हें स्थानीय अधिकारियों को अपने आगमन की सूचना देनी होगी। आंकलन से एक दिवस पूर्व आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेना होगा तत्पश्चात वे अगले 6 दिवस तक निरंतर उन्हें आवंटित बीट में रहकर आंकलन कार्य में भाग लेंगे और अगले दिवस पर लौट सकेंगे।आंकलन कार्य के दौरान प्रत्येक स्वयंसेवक को आवंटित बीट में रहना होगा । कुछ स्वयंसेवक दो या अधिक व्यक्तियों के दल में आएंगे तो भी उन्हें आंकलन अवधि में अलग-अलग कैम्पों ही भेजा जाएगा तथा किस स्वयंसेवक को कौनसी बीट आवंटित करना है. यह निर्णय स्थानीय अधिकारियों का होगा एवं कोई स्वयंसेवक अपनी इच्छानुसार अन्य बीटों में नहीं जा सकेंगे। स्वयं सेवकों को स्थानीय अधिकारियों / वन कर्मियों के द्वारा दिये गये समस्त निर्देशों का पालन करना होगा। जो स्वयं सेवक बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व के अंतर्गत बाघ आंकलन 2026 में सम्मिलित होना चाहते है वे अपना आवेदन 15 नवम्बर 2025 तक भौतिक रूप से या ई-मेल के माध्यम से क्षेत्र संचालक कार्यालय में जमा करेंगे। बाघ आंकलन 2026 से सम्मिलित होने वाले स्वयं सेवक हेतु हानि रक्षा बंधन पत्र एवं नियम विभाग की वेबसाइट में देखा जा सकता हैं। ई-मेल में भेजे जाने वाले आवेदनों को ई-मेल आई.डी. में भेजा जावे। स्वयं सेवकों के आवेदनों के संबंध में क्षेत्र संचालक, बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व द्वारा लिया गया निर्णय अंतिम एवं बंधनकारी होगा। चयनित स्वयं सेवकों को प्रबंधन द्वारा प्रस्तावित क्षेत्र में ही बाघ आंकलन हेतु जाना होगा। उनके स्वेच्छा से क्षेत्र चयन नहीं होगा।

एक दिवसीय विकास खंड स्तरीय अल्पविराम कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। राज्य आनंद संस्थान भोपाल आनंद विभाग मध्यप्रदेश शासन एवं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय शासकीय सेवकों के लिए आनंदित व्यवहार का कार्यक्रम का आयोजन जनपद पंचायत अनूपपुर के सभागार में आयोजित किया गया। जिसमें सर्व प्रथम अतिथियों द्वारा भारत माता सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया जिसमें जनपद अनूपपुर की अध्यक्ष धनमतिसिंह जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक उमेश पाण्डेय जनपद अनूपपुर के सी ई ओ राजीव ग्वाल राज्य आनंद संस्थान भोपाल से राजकुमार राठौर, मास्टर ट्रेनर सुश्री नेहा तिवारी, बी ई ओ के के वर्मा, विकास खंड समन्वयक फते सिंह की उपस्थिति में, महिला बाल विकास, कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशु चिकित्सा विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय निकाय, आयुष विभाग, जल संसाधन विभागों, के अधिकारी कर्मचारीयो सहित जनअभियान परिषद नगर विकास प्रस्फुटन समिति, के सदस्यों सहित मेंटर्स प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला में भाग लेकर, दैनिक जीवन में तनाव से मुक्ति के उपायों को कार्य करने की शैली, हर दम आनंद में रहने के गुण राज्य आनंद संस्थान आनंद विभाग के प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर के माध्यम से सिखा एवम इस आयोजन के प्रथम चरण में कंप्यूटर प्रोजेक्टर के माध्यम में तनाव, चिंता से मुक्ति पाने और हमारे जीवन में किन किन कार्यो को करने से आंनद बढता है। गतिविधियों के माध्यम से हमको सिखाया गया एवं, कार्य करने के गुण एवं हर दम आनंद एवं उत्साह के साथ कार्य करने के तरीके को बताया गया। भोजन के पश्चात द्वितीय सत्र में अपने आपसी रिश्तों ,संबंधों में मधुरता एवं आपसी प्रेम सहानुभूति और सहकार्य से हमे कैसे रहना है इसके लिए अनेक उदाहरणों के माध्यम से जानकारी दी गई और जीवन में आनंद से रहकर रिश्ते नाते को निभाने एवं अपने कार्य को तनाव मुक्त रहकर करने की जानकारी दी गयी। कार्यक्रम के अंत मे समापन अवसर पर कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल के द्वारा सभी सहभागी जनों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आनंदम विभाग जीवन मे खुशी लाने के लिए बनाया गया है आज की इस भाग दौड़ भरी जिंदगी में विराम की सभी को आवश्यता है इस काम को आनंदम विभाग बखूबी कर रहा है जन अभियान परिषद के इस अभियान में सहभागी होने से इस कार्यक्रम में और अच्छा प्रभाव देखने को मिलेगा क्योंकि उनकी अच्छी टीम है। कार्यक्रम के अंत मे ब्लाक समन्वयक फते सिंह द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ संपन्न

व्रतियों ने भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर मांगी परिवार की खुशहाली

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर। कोयलांचल क्षेत्र के अंतर्गत नगर परिषद बनगवां (राजनगर) डोला, डुमरकछार, में छठ महापर्व के अंतिम दिन छठ घाटों पर आस्था, समर्पण, त्याग, साधना का अद्भुत संगम दिया। मंगलवार को महिलाओं ने बहुत ही आस्था भाव के साथ छठ माता की पूजा-अर्चना की। भोर से ही छठ घाट पर श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। छठ के पारंपरिक मंगल गीतों के साथ पूरा परिसर भक्ति से सराबोर रहा, घाट पर भक्ति भरे गाने छठ माता के गुणगान से लोग आस्था में लीन रहे। आधी रात से ही श्रद्धालुओं ने उठकर स्नान आदि किया। उसके बाद सिर पर डाला रखकर हाथ में कलश लिये माताएं - बहनें मंगल गीत गाते हुए छठ घाट पहुंची। घाट पर छठ माता की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करने के बाद सूर्य के उदय होने का इंतजार किया। सूर्योदय होते ही सूर्य भगवान को अर्घ दिया। जिसके बाद यह महापर्व संपन्न हुआ। 36 घंटे से उपवास में रहे व्रती तालाब किनारे पंक्तिबद्ध होकर उगते सूर्य को अर्थ देने के लिए आकाश पर नजर गड़ाये रहे, भगवान भास्कर के दर्शन अपनी अंतर आत्मा से ही व्रतियों ने किया और अर्घ अर्पित कर चार दिनों से चले आ रहे लोक आस्था के महापर्व छठ का समापन किया। मंगलवार की सुबह का नजारा आम दिनों से अलग हट कर था। पर्व के समापन के दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ और आस्था व्यक्त करने के लिए रविवार की शाम और सोमवार की सुबह में शहर समेत ग्रामीण क्षेत्रों में तालाब किनारे घाटों पर छठव्रतियों एवं श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। राजनगर की महिला शक्तियों में श्रीमती रजनी सिंह, श्रीमती चंद्रकला दुबे, श्रीमती सुष्मिता मिश्रा, श्रीमती सुमन जाखड़, श्रीपति सुमिता शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार) श्रीमती सुधा शर्मा ने भी राजनगर जोड़ा तालाब छठ घाट पर पहुंच कर छठ व्रतीयो के साथ इस लोक महापर्व छठ पूजा में शामिल होकर पूजा कर, सूर्य भगवान को अर्ध देकर इस महा पर्व के पुण्य के भागीदार बनी।

36 घंटे के निर्जला व्रत के बाद ग्रहण किया प्रसाद

व्रतियों ने 36 घंटे का निर्जल व्रत रखकर उगते सूर्य को अर्थ देने के बाद प्रसाद ग्रहण किया। प्रसाद में ठेकुआ, फल, गन्ना और कच्चे दूध से बने पकवान शामिल रहे। घाटों पर परिवार के लोग व्रती महिलाओं के साथ श्रद्धा और स्नेह से पूजा में शामिल हुए। छठ पर्व की तैयारियों में पिछले कई दिनों से शहर में रौनक रही। यशवंत सिंह अध्यक्ष नगर परिषद बनगवां (राजनगर), श्रीमती रेनू कोल, अध्यक्ष, रवि शंकर तिवारी उपाध्यक्ष नगर परिषद डोला, डॉ. सुनील कुमार चौरसिया अध्यक्ष एवं सुश्री कंचना मेहता नगर परिषद डूमरकछार ने अपने- अपने क्षेत्र के छठ घाटों पर प्रकाश, सफाई, पेयजल, और सुरक्षा के विशेष इंतजाम किये थे। छठ पर्व ने एक बार फिर यह संदेश दिया, कि प्रकृति और सूर्य के प्रति आस्था भारतीय संस्कृति की जड़ में बसती है। जिले के घाटों से लेकर गांवों तक लोगों ने छठ मइया से परिवार की खुशहाली और समाज में समृद्धि की कामना की, छठ महापर्व के तीसरे दिन पूरे क्षेत्र में श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। सोमवार की शाम छठ घट से लौटने के बाद महिलाओं ने परंपरागत रीति से कोसी भरने की रस्म पूरी की और सूर्यदेव व छठी मैया से अपने परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की लंबी उम्र तथा परिवार की खुशहाली की कामना की. घर के आंगन जहां कोसी भरने की रस्म निभायी, कोसी में मिट्टी, गन्ना, केले के पत्ते और मिट्टी के कलश से पूजा स्थल सजाया। पारंपरिक मान्यता के अनुसार यह प्राकृतिक वस्तुएं ही देवी छठ की प्रिय मानी जाती हैं। व्रती महिलाएं 12 या 24 दीपों से कोसी सजायी, जिन्हें गन्ने के डंडों से बांधकर एक मंडप का आकार दिया. गन्ने का मंडप बनकर बीच में कलश में जल, ठेकुआ, फल, और अन्य प्रसाद रख कर पूर्णतः प्राकृतिक की पूजा की गयी।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा में मुस्तैद रही पुलिस

लोक आस्था के महापर्व तीन दिवसीय छठ पूजा मंगलवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ देने के साथ ही समाप्त हो गया। व्रतियों ने बताया कि यह 36 घंटे की निर्जला उपवास व्रत पुरे श्रद्धा और विश्वास के साथ मनाया गया। इस रामनगर थाना क्षेत्र के किसी भी जगह से कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। छठ के शुभ अवसर पर रामनगर थाना क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस पूरी तरह अलर्ट रही। सोमवार की शाम और मंगलवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के दौरान थाना प्रभारी सुमित कौशिक द्वारा रामनगर थाना क्षेत्र के सभी प्रमुख घाटों पर अतिरिक्त पुलिस बलों की भी तैनाती की गई थी। ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। छठ पर्व के दौरान शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सबसे बड़ी प्राथमिकता थी।

हमारे कार्यों का प्रतिफल जमीन पर दिखना चाहिए-हीरा सिंह श्याम'

अमरकंटक में भाजपा की जिला चिंतन बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र स्थल अमरकंटक की अमरावती नदी दुर्गा धारा पर 28 अक्टूबर को भारतीय जनता पार्टी की जिला चिंतन बैठक का आयोजन किया गया। जिले के सभी भाजपा जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष और प्रमुख कार्यकर्ता इस बैठक में शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने की। चिंतन बैठक के दौरान श्याम ने अपने संबोधन में कहा, सरकार की योजनाएँ जमीनी स्तर तक सही ढंग से नहीं पहुँच पा रही हैं, यह चिंता का विषय है। विरोधी दल दुष्प्रचार कर रहे हैं, उनके मंसूबों पर पानी फेरना हम सभी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। हमें बूथ स्तर पर समर्पित होकर कार्य करना है और ऐसी रचना तैयार करनी है जिससे संदेश नीचे तक जाए। संगठन की सभाओं में औपचारिकता नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के साथ कार्यों को पूरा करने की आवश्यकता है। जिला अध्यक्ष ने प्रत्येक जिला पदाधिकारी को दस बूथों की जिम्मेदारी देने का प्रस्ताव रखा, ताकि संगठन की सक्रियता और कार्यों का प्रभाव सीधे जमीन पर दिख सके। उन्होंने जोर दिया कि सभी मोर्चा के कार्यकर्ता अब सक्रिय होकर सरकार और संगठन की योजनाओं को घर-घर पहुँचाएँ। केंद्र सरकार (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) और प्रदेश सरकार (मुख्यमंत्री मोहन यादव) द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रत्येक नागरिक तक पहुँचाने का निर्देश दिया। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्षों और जिला पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत करने संबंधी सुझाव भी साझा किए। सभी ने बैठक का आनंद प्रकृति के सुखद वातावरण में उठाया और पार्टी की नीति-रणनीति को जनमानस तक पहुँचाने का संकल्प लिया। भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के नेतृत्व में भाजपा के सभी अपेक्षित जिला पदाधिकारी एवं मंडल अध्यक्षों ने सर्वप्रथम अमरकंटक मां नर्मदा माई का दर्शन कर नर्मदा तट पर पूरी निष्ठा के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में भाजपा जिला महामंत्री सिद्धार्थ शिव सिंह श्याम नारायण शुक्ला जिला उपाध्यक्ष श्रीमती रूपमती सिंह विनोद केवट जितेंद्र भट्ट आनंद केसरवानी मदन त्रिपाठी ज्योति सोनी जितेंद्र सोनी जिला मंत्री प्रभात मिश्रा भूपेंद्र मेहरा राजकुमार मार्को अमर सिंह राठौड़ श्रीमती दुर्गा पटेल श्रीमती अंजना कटारे राजेश सरठिया कोषाध्यक्ष विवेक बियानी कोषाध्यक्षसह रामनारायण उरमालिया कार्यालय शह मंत्री कव्वा नायक जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह सह मीडिया प्रभारी राम केवट आईटी सेल प्रभारी अभिषेक त्रिपाठी मंडल अध्यक्ष शिवरतन वर्मा पुष्पेंद्र जैन रविंद्र शर्मा अजय द्विवेदी मुकेश पटेल कमलेश चतुर्वेदी राजेश वर्मा सत्यनारायण सोनी सुषमा जोशी दिनेश राठौर गोपाल सिंह विजय सिंह राठौर जागेश्वर चंद्रवंशी रोशन पनारिया रजनीश कुमार उइके फग्गू नायक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। उपरोक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह द्वारा दी गई।

खबर संक्षेप

एजुकेशनल क्वालिटी इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम अंतर्गत उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

शहडोल। समग्र शिक्षा अभियान, लोक शिक्षा संचालनालय भोपाल के निर्देशानुसार एजुकेशनल क्वालिटी इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम के तहत डाइट शहडोल में एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जिले के चयनित हायर सेकंड्री और हाई स्कूलों में बेस लाइन असेसमेंट के संचालन हेतु आयोजित हुआ। कार्यक्रम में डाइट प्राचार्य श्रीमती अभिलाषा मिश्रा, एपीसी रमसा अरविंद पांडे, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय शहडोल तथा भोपाल से आए प्रशिक्षकों ने मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रशिक्षण में चयनित 83 स्कूलों के प्राचार्य एवं नोडल अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान सभी प्रतिभागियों को मूल्यांकन टूल्स वितरित किए गए तथा निर्देश दिया गया कि एकत्रित सामग्री 30 अक्टूबर तक डाइट शहडोल में जमा की जाए। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधार हेतु प्रभावी मूल्यांकन प्रणाली विकसित करना है।

पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाएं: सीईओ

शहडोल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने जनपद पंचायत सोहागपुर के सभागार में विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में सीईओ ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन पंचायतों में विकास कार्यों की प्रगति संतोषजनक नहीं है, वे एक सप्ताह के भीतर सुधार सुनिश्चित करें, अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन सभी कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ प्राथमिकता देते हुए 31 दिसंबर तक पूर्ण कराया जाए। सीईओ श्री प्रजापति ने यह भी कहा कि पंचायत विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे, कोई भी योग्य व्यक्ति शासन की कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहे। बैठक में उन्होंने पीएम आवास, डीएमएफ मद से स्वीकृत कार्यों, पीएम जनमन योजना सहित अन्य प्रगतिरत परियोजनाओं की विस्तार से समीक्षा की और जिम्मेदार अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त सीईओ मुद्रिका सिंह, पीओ आवास, पीओ मनरेगा, एसबीएम, ग्राम पंचायत सचिवों सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। सीईओ ने सभी अधिकारियों से कहा कि जनहित के प्रत्येक कार्य में पारदर्शिता और गति दोनों सुनिश्चित की जाएं।

बाल विवाह रोकथाम को लेकर जनजागरण अभियान, दिलाई गई शपथ

शहडोल। देवउठनी ग्यारस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले में बाल विवाह की रोकथाम हेतु व्यापक जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में परियोजना सोहागपुर के सेक्टर जमुई अंतर्गत ग्राम जरहा सहित अन्य ग्रामों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में विभाग के मैदानी अधिकारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं एवं स्थानीय ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की जानकारी देते हुए बताया कि नाबालिग बालक-बालिकाओं का विवाह कानूनन अपराध है, जिसके लिए सख्त दंड का प्रावधान है। उपस्थित ग्रामीणों को समझाइश दी गई कि 18 वर्ष से कम आयु की बालिका एवं 21 वर्ष से कम आयु के बालक का विवाह न करें। साथ ही बाल विवाह मुक्त भारत बनाने का संकल्प लेते हुए सभी को शपथ दिलाई गई। ग्राम जमुई में बाल विवाह रोकथाम को लेकर रैली भी निकाली गई, जिसमें बच्चों और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत बंगवार अंडरग्राउंड माइंस में बायो टॉयलेट का शुभारंभ

स्वच्छ कोयलांचल, स्वस्थ कर्मचारी, सोहागपुर क्षेत्र में स्वच्छता का नया अध्याय शुरू

'स्वच्छता ही सेवा-2025' विशेष अभियान (स्पेशल कैम्पेन 5.0) के अंतर्गत सोहागपुर क्षेत्र में स्वच्छता को लेकर कोल कंपनी द्वारा सराहनीय कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में मंगलवार 28 अक्टूबर को अमलाई-बंगवार-दामिनी उपक्षेत्र के अंतर्गत बंगवार भूमिगत खान में आधुनिक बायो टॉयलेट का उदघाटन किया गया।

धनपुरी।

इस अवसर पर उपक्षेत्रीय प्रबंधक श्री संजय सिंह ने फीता काटकर बायो टॉयलेट का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में खान सुरक्षा अधिकारी, सर्वेक्षण अधिकारी, सिविल अधिकारी सहित अन्य कर्मचारी एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।उद्घाटन के दौरान श्री सिंह ने बताया कि स्वच्छता केवल जिम्मेदारी नहीं बल्कि यह हमारी आदत बननी चाहिए। कोल कंपनी के द्वारा अपने कर्मचारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हर माइंस में बायो टॉयलेट की सुविधा दी जा रही है, ताकि काम करने वाले श्रमिकों और अधिकारियों को स्वच्छ व सुरक्षित वातावरण मिल सके।उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान गंदगी और कीचड़ की समस्या को दूर करने के लिए इन बायो टॉयलेट्स का

निर्माण विशेष रूप से उपयोगी रहेगा। स्वच्छता की इस पहल से माइंस परिसर में साफ-सफाई के साथ स्वास्थ्य सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।जानकारी के अनुसार दामिनी भूमिगत माइंस और राजेन्द्रा भूमिगत माइंस में भी बायो टॉयलेट स्थापित किए जा चुके हैं। आने वाले समय में सोहागपुर क्षेत्र के अन्य सभी माइंस में भी इसी तरह की सुविधाएं विकसित की जाएंगी, ताकि "स्वच्छ कोयलांचल, स्वस्थ कर्मचारी" का लक्ष्य साकार हो सके।स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत कोल कंपनी द्वारा लगातार परिसर, माइंस एरिया और कॉलोनी इलाकों में सफाई, वृक्षारोपण और जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। कर्मचारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता अभियान से कार्यस्थल का माहौल पहले से कहीं अधिक सकारात्मक और प्रेरणादायी बन गया है।

घुनघुटी में नलजल योजना के तहत पानी टंकी के ठेकेदार द्वारा मनमानी

घुनघुटी शहडोल

घुनघुटी में बन रही पानी टंकी के बनाने के लिए कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के पास मंदिर में लगे हैंडपंप में समरसियल पंप डाल कर टंकी बनाने मे पानी का इस्तेमाल करता है वही मंदिर मे पूजा अर्चना करने वालो को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है वो हैंडपंप से पूजा के लिए जल चढ़ाने के लिए दूर जाना पड़ता है और यह आलम है कि जहां भी पाईप डालने के गड्ढों में ठीक से मिट्टी फिलिग नहीं किया गया है जबकि ये आदेश कि जहां भी गड्ढा वहां पर मीटी डाल कर कांक्रीट से भरा जाता है पर यहां ठीक से मिट्टी फिलिग नहीं किया गया है

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के तत्वाधान में जन आंदोलन कर किया गया साथ ही महामहिम राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

ब्यौहारी।

शहडोल जिले के ब्यौहारी तहसील अंतर्गत जगमल सेजहरी में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने हाथियों के आतंक के विरुद्ध जनांदोलन की और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के संस्थापक दादा हीरासिंह मरकाम की पांचवी पुण्यतिथि मनाई।गोंडवाना गणतंत्र पार्टी जिला शहडोल के द्वारा ज्ञापन पत्र के माध्यम से आग्रह है कि पिछले 3 वर्षों से ब्यौहारी क्षेत्र अंतर्गत जंगली हाथियों का झुंड विचरण कर रहा है ब्यौहारी, बाड़सागर, बुड़वा परिक्षेत्र में जंगली हाथियों के झुंड अक्सर रात में किसानों के खेतों में घुसकर उनकी फसलों को नष्ट कर देते हैं। इससे किसानों की आजीविका पर भारी संकट आ गया है। हाथियों के इन हमलों के कारण किसानों कि खेती से होने वाली आय में भारी गिरावट आई है, जिससे किसान कर्ज के बोझ तले दब रहे हैं। हाथियों के कारण न केवल किसानों कि फसलें बर्बाद हो रही हैं, बल्कि किसानों के परिवारों की सुरक्षा को भी खतरा है। ब्यौहारी वन परिक्षेत्र में वन

क्षेत्र का घनत्व कम है वन परिक्षेत्र अंतर्गत लगभग 32 हाथियों का झुण्ड विचरण कर रहा है जो रात्रि में गांव में प्रवेश कर ग्रामीणों के मकान को भी ध्वस्त कर देते हैं, प्रशासन द्वारा सर्वे कराया जाता है लेकिन आज दिनांक तक किसानों का फसल नुकसानी तथा ध्वस्त मकान का मुआवजा व क्षतिपूर्ति राशि प्रदान नहीं किया गया है। क्षेत्रवासी किमान हाथियों के मूमेंट से बहुत परेशान हैं आए दिन क्षेत्र में जनहानि, फसलहानि व घरों को ध्वस्त कर देते हैं। प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कराकर क्षतिपूर्ति राशि प्रदाय किया जाय। साथ ही हाथियों का रेस्क्यू कर अन्यत्र छोड़ा जाय सेजहरी में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के तत्वाधान में जन आंदोलन किया गया साथ ही महामहिम राज्यपाल महोदय के नाम ज्ञापन भी सौंपा गया ज्ञापन कार्यक्रम में मुख्य रूप से सरपंच रूप नारायण कोल जी, सरपंच उपेंद्र सिंह बघेल जी, आदर्श सिंह बघेल, प्रतीक सिंह बघेल, शिवेंद्र त्रिपाठी, राजाराम बड़करे, सत्यदेव बैश, रामनरेश साकेत, गोंगपा जिला अध्यक्ष छत्रपाल सिंह कुशराम, अजय सिंह पेंड्रो जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा, जुगराज सिंह परस्ते, जिला कार्यवाहक अध्यक्ष, शियाशरण टेकाम, ब्लॉक अध्यक्ष अजय सिंह परस्ते पुष्पेंद्र सिंह, लाल जी सिंह कमलभान सिंह इत्यादि।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने किया मानपुर का निरीक्षण

दंत चिकित्सालय क्लीनिक का रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र नहीं दिखाने पर क्लीनिक को किया सील

उमरिया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ व्ही एस चंदेल ने मानपुर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मानपुर बाजार में संचालित दंत चिकित्सालय के नाम से तपस मलिक कि क्लीनिक को रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र नही दिखाने पर सील किया गया। बताया जाता है कि क्लीनिक का संचालन

प्रोटोकॉल के अनुसार नही किया जा रहा था। क्लीनिक के संचालक को दो दिवस के अंदर रजिस्ट्रेशन संबंधी दस्तावेज कार्यालय में सत्यापित कराने की बात कही गई।

इसी तरह मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा मेडिकल की दुकानों का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान उन्होने एक्सपायरी बोर्ड कफ सिरप , स्टॉक की जांच की। औषधि विक्रेताओं को औषधि एवं प्रशासन सामग्री अधिनियम 1940 के नियमावली 1945 के नियम 65 (3)के अनुसार कार्य करने की बात कही। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धमोखर, ताला एवं मानपुर का निरीक्षण किया । मानपुर चिकित्सालय में पानी उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली गई जिसमें पाया गया कि वाटर लेवल आने से मोटर पंप चालू हो गया है। निरीक्षण के दौरान मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी एन पी जैसल,रोहित सिंह बघेल एवं राजेंद्र तिवारी उपस्थित रहे।

जल में खड़े होकर व्रती महिलाओं ने की सूर्य उपसाना

सूर्योदय पर दूसरा अर्थ छठ पर्व धूमधाम से मनाया गया

बुढार।

छठ पूजा पर्व मंगलवार की सुबह उगते सूर्य भगवान को जल का अर्थ देकर बूढ़ी मंदिर तालाब में पूजा अर्चना की गई।

उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखंड प्रांत के नगर में बसे रहवासियों के छठ महापर्व में पहले दिन नाहाया खाया दूसरे दिन डूबते सुर्य देव को अर्थ देकर अपनी मनोकामना पूर्ण करने की भगवान से आराधना की तीसरे दिवस उगते सूर्य देव को जल का अर्थ देकर श्रद्धा भाव और पूरे उत्साह के साथ छठ मईया पूजा अर्चना पूर्ण की।

कहते हैं कि छठ पर्व पर सूर्यास्त के समय तालाब के तट के किनारे

खड़े होकर पूजा सामग्री गन्ने,की मढ़ई बनाकर महिलाओं ने भक्ति भाव से पूजा अर्चना कर बीच पानी में खड़े होकर अस्तांचल सूर्य भगवान की आराधना कर पहला अर्थ दिया और दुसरे दिवस सुबह सूर्योदय के समय सूर्य भगवान को दूसरा अर्थ देकर छठ पूजा का समापन हुआ।

बिहार समुदाय के बांके बिहारी (मामा) श्रीमती माया सिंह, अविनाश सिंह,शालू सिंह, शत्रुघ्न सिंह सहित भारी संख्या में महिलाएं पुरुष उपस्थित रहे

मालगाड़ी के दो पहिए पटरी से उतरे, बड़ी दुर्घटना टली

शहडोल।

जिले के अमलाई स्थित ओरियंट पेपर मिल के समीप बुधवार दोपहर लगभग 3 बजे एक बड़ी रेल दुर्घटना टल गई। बुढ़ार-अनूपपुर रेलखंड पर माल लेकर जा रही मालगाड़ी के डिब्बे के दो पहिए अचानक पटरी से उतर गए, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घटना के समय रेलवे फाटक बंद था, जिसके चलते किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पहिए पटरी से उतरते ही चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए गाड़ी को धीरे-धीरे आगे बढ़ाया और फाटक पार कर सुरक्षित स्थान पर रोका। यदि ट्रेन फाटक पर रुकती तो मुख्य मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो जाता। घटना का वीडियो राहगीरों ने बनाया, जिसमें स्पष्ट देखा जा सकता है कि

मालगाड़ी के पहिए पटरी से नीचे खिंचते हुए जा रहे हैं। सूचना मिलते ही रेलवे कर्मचारी मौके पर पहुंचे और सुधार कार्य शुरू किया। रेलवे सूत्रों के मुताबिक तकनीकी खामी के कारण यह हादसा हुआ है। स्थानीय नागरिकों ने ट्रेन ड्राइवर की तत्परता की सराहना की और कहा कि उसकी सूझबूझ से एक बड़ी दुर्घटना टल गई। रेलवे प्रशासन ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

जिले में बाल विवाह रोकने हेतु चलाया जा रहा है जनजागरूकता अभियान

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन में जिले में बाल विवाह रोकथाम को लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान विभाग एवं स्टेक होल्डर संस्था हार्ड संस्था के समन्वय से संचालित किया जा रहा है। संस्था की एक्सेस टू जस्टिस फॉर चिल्ड्रन परियोजना के तहत ग्राम कोपरा और भोड़ा कछार में ग्राम सभाओं का आयोजन कर ग्रामीणों को बाल विवाह के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया।

संस्था के संचालक सुशील शर्मा ने बताया कि शासन द्वारा बेटियों के विवाह की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और बेटों के लिए 21 वर्ष निर्धारित की गई है। इससे कम आयु में विवाह करना बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत अपराध है, जिसके लिए सख्त दंड का प्रावधान है। कार्यक्रम में ग्रामीणों, सरपंचों और पंचायत सचिवों ने भाग लिया। इस दौरान ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण समिति के गठन की जानकारी दी गई और बाल विवाह मुक्त भारत बनाने की शपथ दिलाई गई।

जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा ने बताया कि देव उठनी एकादशी का पर्व 1 नवम्बर 2025 को मनाया जाएगा, जिससे विवाह समारोहों की शुरुआत होती है। इस अवसर पर बाल विवाह की आशंका को देखते हुए शासन द्वारा विशेष निगरानी के निर्देश जारी किए गए हैं। जिला स्तर पर वन स्टॉप सेंटर शहडोल में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसका फोन नंबर 07652-242870 है।

बिजुरी में छठ पूजा सम्पन्नः व्रतियों ने निभाई कठिन तपस्या, सूर्योदय से पहले सैलाब

बिजुरी

बिजुरी में महापर्व छठ सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हुआ। व्रती महिलाओं ने 36 घंटे के निर्जला उपवास के बाद भगवान भास्कर को दूध, जल और प्रसाद अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और संतान की लंबी आयु की कामना की ।बिजुरी में छठ पूजा सम्पन्नः व्रतियों ने निभाई कठिन तपस्या, सूर्योदय से पहले उमड़ा जनसैलाब आस्था, विश्वास और शुद्धता के महापर्व छठ का समापन मंगलवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ हुआ। चार दिन तक चले इस पर्व के अंतिम दिन व्रती महिलाओं ने 36 घंटे के निर्जला उपवास के बाद भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और जीवन में ऊर्जा की कामना की। इस दौरान घाटों पर श्रद्धा और भक्ति का अभूतपूर्व माहौल देखने को मिला।सूर्योदय से पहले उमड़ा जनसैलाब, मंगलवार की भोर होते ही बिजुरी देवी तालाब घाट पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। महिलाएं सिर पर पूजन सामग्री की डलिया लिए, माथे पर सिंदूर सजाए, गीत गुनगुनाती हुई घाटों की ओर प्रस्थान करती दिखीं। "उग हे सूर्य देव" और "कांच ही बांस के बहंगिया" जैसे पारंपरिक गीतों की गूंज से वातावरण भक्तिमय हो उठा।उगते सूर्य को अर्घ्य देकर पूरा हुआ छठ व्रत, परिवार की कुशलता के लिए व्रती महिलाओं ने की प्रार्थनासज-धज कर पहुंचे श्रद्धालुघाटों को दीपों और रंगीन झालरों से सजाया गया था। हर तरफ रोशनी और खुशियों का माहौल देखने को

मिला। महिलाएं पारंपरिक साड़ियों में और पुरुष कुर्ता-पायजामा में सजे हुए परिवार सहित अर्घ्य देने पहुंचे। जल में खड़े होकर उन्होंने उगते सूर्य को दूध, गंगाजल, फूल और प्रसाद अर्पित किया। कई जगहों पर बच्चों और युवाओं ने भी माता-पिता के साथ मिलकर पूजा में भाग लिया।36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत हुआ संपन्नछठ पर्व की विशेषता इसका कठोर तप है। व्रती महिलाएं रविवार की शाम से निर्जला उपवास में थीं, जो मंगलवार सुबह अर्घ्य देने के बाद ही समाप्त हुआ। इस दौरान उन्होंने अन्न-जल तक ग्रहण नहीं किया। व्रतियों ने बताया कि यह पर्व सिर्फ उपवास नहीं, बल्कि आत्मसंयम, शुद्धता और समर्पण का प्रतीक है।प्रशासन ने बनाए सुरक्षा के पुख्ता इंतजामभीड़ को देखते हुए स्थानीय पुलिस प्रशासन पुलिस निरीक्षक विकास सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने देवी तालाब एवम रास्तों पर सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की थी। बिजुरी नगर पालिका की टीम ने सफाई अभियान चलाकर घाटों को स्वच्छ रखा। पुलिस बल भी लगातार गश्त करता नजर आया, ताकि किसी तरह की अव्यवस्था न हो।सामाजिक समरसता का प्रतीक बना पर्वछठ पूजा केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि सामाजिक एकता का भी संदेश देती है। हर वर्ग और समुदाय के लोग इस आयोजन में सहभागी बने। भक्ति और आस्था के साथ समापनजैसे ही सूर्य की पहली किरणें आसमान में फैलीं, श्रद्धालुओं ने अर्घ्य अर्पित किया और "छठी मइया" के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। इस प्रकार बिजुरी में छठ पर्व का समापन हर्ष और उल्लास के बीच हुआ, जिसमें आस्था, शुद्धता और सामाजिक एकता की अद्भुत मिसाल देखने को मिली।इनकी रही सहभागिता-नगरपालिका अध्यक्ष सहबिन पनिका,उपाध्यक्ष प्रीति सतीश शर्मा,पार्षद शालिनी शर्मा,अन्नू देवी,नमिता कोल,विमला पटेल,नन्दिनी धनवार,गुंजन साहू,जय छड़ी,लक्ष्मी शुक्ला,ज्ञान देवी,कलावती सिंह,अनुपमा सिंह,मीरा महरा के बिजुरी मंडल अध्यक्ष रविन्द्र शर्मा,कैलाश कोल ,अभिशंख जायसवाल,अनूप तिवारी,सूर्य सेवा समिति विक्रमा सिंह,कोषाध्यक्ष डी डी गिरी,सचिव राम विनय कुमार के साथ मुख्य नगरपालिका अधिकारी पवन साहू,उपयंत्री सुरेश साहू,देवल सिंह,स्वच्छता निरीक्षक डी.एन मिश्रा,राजस्व निरीक्षक लखन पनिका,ए आर आई सुदामा पांडेय,कामता सेन,सुरेश धनवार,इस्वर साहू,देव सिंह मरकाम सहित अनेकों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

किसानों को नरवाई न जलाने व इससे जैविक खाद बनाने की सलाह

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कृषि विभाग द्वारा जिले के किसानों से अपील की गई है कि वे फसल कटाई के बाद खेतों में बची हुई नरवाई (फसल अवशेष) को किसी भी स्थिति में न जलाएं। नरवाई जलाने से एक ओर जहाँ खेतों में अग्नि दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है, वहीं इससे मिट्टी की उर्वरकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। नरवाई जलाने से निकलने वाला धुआँ वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ाता है, जिससे वायु प्रदूषण होता है। मिट्टी की उर्वरा शक्ति लगभग 6 इंच की ऊपरी सतह पर ही होती है, जहाँ खेती के लिए उपयोगी जीवाणु पाए जाते हैं। नरवाई जलाने से ये जीवाणु नष्ट हो जाते हैं, जिससे भूमि की गुणवत्ता घट जाती है। यदि किसान फसल अवशेषों को एकत्रित कर नाडेप या वर्मी विधि से जैविक खाद तैयार करें, तो यह खेतों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। इस प्रकार तैयार खाद में फसलों के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की प्रचुर मात्रा होती है। इसके अतिरिक्त, किसान खेतों में रोटावेटर या डिस्क हैरो चलाकर फसल के बचे हुए भागों को मिट्टी में मिला सकते हैं। इससे मिट्टी की संरचना और उर्वरता में सुधार होता है। फसल कटाई के बाद नरवाई को खाद में बदलने तथा बिना जुताई के बुवाई के लिए सुपर सीडर और हैप्पी सीडर मशीनों का उपयोग अत्यंत उपयोगी है। इससे नरवाई नष्ट करने, जुताई और बुवाई का खर्च एवं समय, तीनों में बचत होती है, साथ ही खेतों में जैविक खाद का निर्माण भी संभव हो जाता है।

रन फॉर सायबर अवेयरनेस मैराथन का आयोजन कल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। संचालनालय खेल और युवा कल्याण विभाग भोपाल के निर्देशानुसार सायबर अपराधों के प्रति सजग रहने हेतु सायबर जागरूकता कैम्पेन के अंतर्गत जिला मुख्यालय अनूपपुर में 31 अक्टूबर को प्रातः 8 बजे से शासकीय तुलसी महाविद्यालय से इन्दिरा तिराहा तक ''रन फॉर सायबर अवेयरनेस'' मैराथन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पुलिस अधीक्षक अनूपपुर ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है। इस आयोजन में अधिक से अधिक युवाओं, खिलाड़ियों, विद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों, एनसीसी, एनएसएस कैडेट्स, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवकों एवं नागरिकों से सहभागिता निभाने की अपील की गई है।

ट्रकों के पहिये तले 'रौंदे' जा रहे नो एंट्री के आदेश, यातायात प्रभारी ने नियम कायदों की चढ़ाई बलि

जिला प्रशासन द्वारा बनाए गए नो एंट्री के नियमों की उड़ाई धज्जियां

चावल के ट्रक के बहाने भारी वाहन शहर में कर रहे प्रवेश

भारी वाहनों के प्रवेश से लोग परेशान

जहां एक तरफ जिला प्रशासन यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने का दावा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर शहर में नो एंट्री के नियमों का पालन होता नहीं दिख रहा है। जिला प्रशासन के आदेश के बावजूद शहर के नो एंट्री एरिया में बड़े ट्रक, हाइवा, ट्रॉली जैसे मालवाहक प्रवेश करते हैं। आलम यह है कि वाहनों की एंट्री से स्थानीय लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। यह सब कुछ देखकर भी यातायात के जिम्मेदार मौन बने हुए है।. इनकी कार्यशैली देखकर लगता है कि लोगों को जाम से मुक्ति दिलाने में पुलिस की रुचि नहीं है। शहर मे आए दिन नो एंट्री में भारी वाहन प्रवेश करते देखे जाते हैं।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

शहरवासियों का मानना है कि जिला प्रशासन के द्वारा बनाए गए नियमों का तो पालन नहीं हो रहा है, वही नियमों को लेकर सड़क सुरक्षा का पाठ पढ़ाया जा रहा है यह कहां तक उचित है। बता दें कि शहर में लगने वाले जाम से निजात दिलाने और भारी वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए जिला प्रशासन की ओर से शहर में नो एंट्री लागू की गयी है। जानकारी के मुताबिक, शहर में सुबह के 6 बजे से लेकर रात के 10 बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित है, लेकिन विडंबना यह है कि शहर में नो एंट्री का पालन नहीं हो रहा है। जिला प्रशासन द्वारा बनाए गए नो एंट्री के नियमों की धज्जियां उड़ायी जा रही है। शहर में इस दौरान भारी वाहनों का प्रवेश होता दिख रहा है। एक तो वैसे भी शहर में जाम की समस्या से लोग परेशान हो रहे हैं वहीं दूसरी ओर नो एंट्री में भारी वाहनों के प्रवेश से भी लोग परेशान हो रहे हैं। शहर में इस प्रकार के वाहनों का प्रवेश होने से यातायात व्यवस्था और बेकाबू होती जा रही है। ऐसी हालत प्रत्येक दिन रहती है। शहर के लोगों का मानना है कि जिला प्रशासन का आदेश कागजी घोषणा पत्र बनकर रह गया है। यह दिखावे की नो एंट्री है। शहर में लगातार भारी वाहन प्रवेश कर रहे हैं।

मुस्तैदी के बाद कानाफूसी कर मिला लेते हाथ

शहर को जाम से निजात दिलाने व दुर्घटना पर अंकुश लगाने के लिए भारी वाहनों की नो एंट्री का फरमान बेअसर हो रहा है। अधिकारियों ने जिस जोश व जज्बे के साथ नो-एंट्री का आदेश जारी किया, मुलाजिमों द्वारा उतनी ही लापरवाही से उसकी धज्जियां उड़ाई जा रही है। भारी वाहन धड़ल्ले से शहर में प्रवेश करते नजर आ रहे हैं। फिर भी कार्रवाई नहीं की जा रही है। शहर में जाम के झाम मुक्ति मिलते नही दिख रही है। नाका लगाकर दो पहिया वाहनों की धरपकड़ करके उनके चालान काटने वाली पुलिस को शहर में घुसे भारी वाहन दिखाई नहीं देते। एंट्री प्वाइंट्स पर सांठगांठ कर भारी वाहन धड़ल्ले से सड़कों पर दौड़ते रहते हैं, कोई टोकता तक नहीं। कई बार देखा गया कि पहले तो मुस्तैदी दिखाते हुए पुलिसवालों ने भारी वाहनों को रोककर साइड में लगवाते हैं। इसके बाद भारी वाहनों के चालक, क्लीनर पुलिसकर्मियों के पास पहुंचते हैं और कुछ देर कानाफूसी के बाद पुलिसकर्मी से एक विशेष अंदाज में हाथ मिलाए और भारी वाहन शहर में लेकर चलते बनते हैं।

दो जगह का प्रभार, दोनों जगह पीछे

ज्ञात हो कि विनोद दुबे को यातायात प्रभारी के साथ फुनगा चौकी प्रभारी बनाया गया है। दोनों ही जगहों पर प्रतिदिन की कार्यवाही देखी जाये तो वह सिर्फ कागजी कोरम तक ही दिखाई देता है क्योंकि जहां जिला मुख्यालय सहित पूरे जिले मे यातायात व्यवस्था बेपटरी होकर जनता के आक्रोश का बढ़ रहा है वही फुनगा चौकी क्षेत्र मे भी अपराध लगातार बढ़ते हुये अपराधियों की पौ बारह है क्योंकि इसके पीछे महोदय का आर्शीवाद प्राप्त है। हरिभूमि ने पड़ताल के बाद पाया गया कि वाकई मे पंडित जी का पेट बड़ा है और वे लिफाफे के शौकीन हैं। क्योंकि उनके द्वारा फोन नही उठाना तथा उनके व्हाट्सएप मे फोटो वीडियो भेजने व उसे देखने के बाद भी कार्यवाही शून्य दिखने तथा रिप्लाई नही देने से यह बात 100 प्रतिशत हकीकत तक पहुंच जाती है। अक्सर देखा जाता है कि नो एंट्री मे वाहनों के चालक के पास एक कर्मचारी पहुंचता है और कुछ मिनट या सेकेण्ड मे मामला रफा दफा कर उसे जाने दिया जाता है वही शहर के अंदर बेपटरी यातायात को व्यवस्थित करने कोई भी जिम्मेदार नही पहुंचता।

शिक्षकों ने लगाया बीईओ पर पैसे के लेने का आरोप

कलेक्टर के नाम पुष्पराजगढ़ एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले के पुष्पराजगढ़ में शिक्षा जगत सुलग उठा है। आज़ाद अध्यापक शिक्षक संघ ने एसडीएम के नाम ज्ञापन सौंपते हुए बीईओ सतीश तिवारी पर भ्रष्टाचार, दबाव और पैसों की मांग के संगीन आरोप लगाए हैं। शिक्षकों का कहना है कि बीईओ कार्यालय अब शिक्षा का मंदिर नहीं, बल्कि "लेन-देन का ठिकाना" बन गया है, जहां बिना नोटों के कोई काम नहीं होता। पुष्पराजगढ़ के शिक्षकों का सब्र आखिर टूट गया। वर्षों से लंबित एरियर, डीए भुगतान, और क्रमोन्नति लाभ के न मिलने से तंग आकर आज़ाद अध्यापक शिक्षक संघ ने मोर्चा खोल दिया। एसडीएम पुष्पराजगढ़ को सौंपे ज्ञापन में शिक्षकों ने खुलकर कहा कि बीईओ सतीश तिवारी के कार्यभार संभालने के बाद से ही भ्रष्टाचार ने जड़ें जमा ली हैं। शिक्षक बोले कि "फाइल तभी चलती है जब रुपये चलते हैं।" कार्यालय के कर्मचारी खुलेआम रिश्वत मांगते हैं, बिल जमा करने पर रसीद नहीं देते और दबाव बनाने की कोशिश करते हैं। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि अगर 20 दिनों में कार्रवाई नहीं हुई, तो शिक्षक संघ सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन करेगा। यह मामला अब सिर्फ वेतन या एरियर का नहीं, बल्कि "शिक्षा विभाग की ईमानदारी" पर सवाल बन गया है।

रिश्वत का अड्डा बना बीईओ कार्यालय

पुष्पराजगढ़ का बीईओ कार्यालय अब शिक्षकों के लिए सिरदर्द बन चुका है। शिक्षकों का आरोप है कि यहां बिना रुपये दिए फाइलें महीनों तक रेंगती रहती हैं। कोई आवेदन हो, वेतन अद्यतन या एरियर की मंजूरी हर जगह 'नकदी की भाषा' ही चलती है। शिक्षक बताते हैं कि कभी फाइल गायब कर दी जाती है, तो कभी हस्ताक्षर के नाम पर रोका जाता है। यह ऑफिस अब "घूस और धौंस" का पर्याय बन गया है। शिक्षक सवाल उठा रहे हैं कि क्या शिक्षा विभाग अब लूट का जरिया बन गया है।

एरियर और डीए पर ठप सिस्टम

ज्ञापन में बताया गया कि दो वर्षों से डीए एरियर और क्रमोन्नति लाभ का भुगतान नहीं हुआ है। शिक्षकों की सेवापुस्तिका ऑनलाइन अपडेट नहीं की जा रही, जिससे वेतनमान अटका पड़ा है। कई शिक्षकों ने बताया कि इस देरी के कारण बैंक लोन की किस्तें समय पर नहीं भर पा रहे हैं और उनका सिविल स्कोर खराब हो रहा है। यानी बीईओ की लापरवाही ने शिक्षकों को न सिर्फ मानसिक बल्कि आर्थिक झटका भी दिया है। सवाल उठता है कि आखिर विभागीय अफसरों की जवाबदेही कौन तय करेगा। शिक्षकों ने बीईओ सतीश तिवारी को हटाने की मांग करते हुए जमकर नारेबाज़ी की। "सतीश तिवारी हटाओ, शिक्षा बचाओ" के नारों से ब्लॉक कार्यालय गूंज उठा। शिक्षकों का कहना है कि बीईओ की तानाशाही और भ्रष्टाचार ने कामकाज की रीढ़ तोड़ दी है। कई बार मौखिक शिकायतें की गईं, पर कार्रवाई के नाम पर सन्नाटा है। इस गूंज के पीछे सिर्फ गुस्सा नहीं, बल्कि व्यवस्था के प्रति टूटा हुआ भरोसा है।

आंदोलन की चेतावनी, गिरेगा गाज

ज्ञापन में एक और गंभीर आरोप सामने आया कि बीईओ कार्यालय में पदस्थ अधिकारी शिक्षकों को धमकाते हैं। वेतन या फाइल के नाम पर 'ऊपर की बात' कहकर डराने का प्रयास किया जाता है। कई शिक्षक बताते हैं कि अगर पैसे देने से इनकार किया जाए तो अगले दिन उनका काम ही गायब मिल जाता है। यह माहौल अब भय और भ्रष्टाचार का गठजोड़ बन चुका है, जहां शिक्षकों की आवाज़ को दबाने की कोशिश की जा रही है। शिक्षक संघ ने दो टूक कहा कि "अब या तो कार्रवाई होगी या आंदोलन।" ज्ञापन में 20 दिनों की समयसीमा देते हुए चेतावनी दी गई है कि अगर बीईओ सतीश तिवारी और अन्य कर्मचारियों पर ठोस कदम नहीं उठाया गया तो उग्र आंदोलन छेड़ा जाएगा। "आजाद अध्यापक शिक्षक संघ" ने साफ कहा है कि अब खामोशी नहीं, संघर्ष होगा।

अनूपपुर की बेटी ने 27 हजार फीट ऊंचे पर्वत को फतह कर रचा इतिहास

बसंती देवी बनीं मध्यप्रदेश की पहली 19 वर्षीय पर्वतारोही

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले के पुष्पराजगढ़ क्षेत्र की बेटी बसंती देवी ने अपने साहस, दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत से इतिहास रच दिया है। हिमाचल प्रदेश के मनाली में 27 हजार फीट ऊंचे पर्वत पर फतह कर बसंती ने न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे मध्यप्रदेश का नाम रोशन कर दिया है।पर्वतारोहण से लौटने के बाद जब बसंती देवी अपने गृहग्राम पहुंचीं, तो क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, माल्यार्पण कर मुंह मीठा करवाया और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।बसंती देवी अब मध्यप्रदेश की पहली 19 वर्षीय पर्वतारोही बन गई हैं, जिन्होंने इतनी ऊंचाई पर सफलता प्राप्त की है। उनके स्वागत के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी और बधाई देने वालों का तांता लग गया। गौरतलब है कि बसंती देवी की यह सफलता आसान नहीं थी। दो कोर्स पूरे करने के बाद जब वे अंतिम पर्वतारोहण प्रशिक्षण के लिए तैयार थीं, तब आर्थिक तंगी उनके मार्ग में बड़ी बाधा बन गई थी। लेकिन अनूपपुर जिले की मीडिया ने उनकी कहानी को प्रमुखता से प्रकाशित किया, जिसके बाद कई समाजसेवी, जनप्रतिनिधि और जिला प्रशासन ने आगे बढ़कर उनकी सहायता की।आज वही बसंती देवी मेहनत, लगन और इच्छाशक्ति की मिसाल बनकर लौटी हैं। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर पूरा जिला गर्व महसूस कर रहा है।

सजग रहकर समय सीमा में करें योजना का क्रियान्वयन

ग्रामीण विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को योजनाओं के लक्ष्यों तथा कार्यों को शासन के दिशा निर्देशों के अनुरूप सजग रहकर लोकहित में समय सीमा में पूर्ति के निर्देश दिए हैं। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन यंत्री अमर साय, सभी जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा जिला पंचायत के योजना प्रभारी, सहायक यंत्री तथा उपयंत्री उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने मनरेगा अंतर्गत एक बगिया मां के नाम पौधरोपण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए उपयुक्त स्थलों का चिन्हांकन, पौधों की जीवंतता की सतत मॉनिटरिंग करने, कपिलधारा कूप, लेमनग्रास रोपण क्षेत्र की वृद्धि हेतु कृषि विभाग के समन्वय से उपयुक्त स्थलों के चयन के निर्देश दिए। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों को मार्च माह तक पूर्णता के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को खेत तालाब का सतत रिव्यू करने व अप्रारंभ कार्यों तथा तकनीकी समस्याओं का निराकरण करने की बात कही। बैठक में कलेक्टर ने ग्राम पंचायत स्तर पर संधारित पंजी की निरंतरता के निर्देश दिए। जिले में संचालित गौशालाओं में पशुओं के लिए चारागाह योजना के क्रियान्वयन व मॉनिटरिंग करने के संबंध मे निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में मां नर्मदा परिक्रमा पथ के पौधरोपण की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर ने प्रधानमंत्री जन मन आवास के स्वीकृत प्रगतिरत व अप्रारंभ कार्यों की कलस्टर स्तर पर समीक्षा करने तथा व्यक्तिगत शौचालय के पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने व्यक्तिगत शौचालय के सभी पात्रों को अभियान में सर्वे कर सेचुरेशन की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सामुदायिक शौचालय का निर्माण, ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय संस्थानों, थाना, चौकी, तहसील, अस्पताल, बस स्टैंड, हाट बाजार, आंगनवाड़ी, स्कूल आदि जरूरी स्थान के पास जन सुविधा की दृष्टि से बनाए जाने के संबंध में निर्देश दिए। ताकि सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का आम जन उपयोग कर सकें। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत मॉडल वेस्ट यूनिट पुष्पराजगढ़ ब्लॉक के ग्राम किरगी में बनाए जाने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत ग्रामीण कृषकों की सुविधा के लिए प्रारंभ किए गए कृषक सुविधा केंद्रों में यांत्रिकी सुविधा उपलब्ध कराने तथा पशुपालक कृषकों के पशुपालन के लिए केटल शेड निर्माण कार्य वाटरशेड एवं डीएमएफ कन्वर्जेन्स से करने कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत स्कूलों में प्रदाय खाद्यान्न आवंटन स्टॉक की जानकारी पारदर्शिता के लिए प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने 15 वें वित्त योजना अंतर्गत संचालित निर्माण कार्यों की सतत मॉनिटरिंग के लिए वर्क मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल में जानकारी अपलोड करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार कार्य करने की निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में कलेक्टर ने अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी चर्चा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जोहिला जलाशय, भुंडाकोना में पर्यटन को मिलेगी नई दिशा

मप्र शासन व कलेक्टर की पहल से आधुनिक बोट क्लब का निर्माण पूर्ण

हरिभूमि न्यज अनूपपुर। मध्यप्रदेश शासन पर्यटन विकास के क्षेत्र में निरंतर नये आयाम स्थापित कर रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर हर्षल पंचोली की विशेष पहल पर मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा अनूपपुर जिले के जोहिला जलाशय,भुंडाकोना में 49.08 लाख रुपये की लागत से अत्याधुनिक बोट क्लब का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। यह पहल प्रदेश में एडवेंचर टूरिज्म को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सोपान है। जोहिला नदी पर निर्मित यह खूबसूरत जलाशय अपनी प्राकृतिक शांति और हरियाली के कारण पहले से ही पर्यटकों का आकर्षण रहा है। अब यहाँ नौका विहार की सुविधा प्रारंभ होने से यह स्थल पर्यटकों के लिए एक नया रोमांचक अनुभव प्रदान करेगा। बोट क्लब परिसर में प्रतीक्षालय, बोट शेड, पार्किंग एरिया, स्टोन बेंच और सौंदर्यीकरण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह स्थान स्थानीय लोगों को रोजगार के नये अवसर भी उपलब्ध कराएगा। अमरकंटक से मात्र 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह जलाशय अब पर्यटन मानचित्र पर होगा। शांत जल, हरित वादियों और स्वच्छ वातावरण से घिरा यह क्षेत्र न केवल पर्यटकों के लिए आकर्षक रहेगा, बल्कि यह प्रदेश की प्राकृतिक और सांस्कृतिक समृद्धि का भी परिचायक बनेगा। राज्य शासन व कलेक्टर हर्षल पंचोली की यह पहल जिले में पर्यटन विकास की भावना को साकार कर रही है। जोहिला जलाशय में बोट क्लब के संचालन से स्थानीय युवाओं को रोजगार, क्षेत्र को नई पहचान और पर्यटकों को एक नया अनुभव प्राप्त होगा। यह परियोजना मध्यप्रदेश को भारत के अग्रणी पर्यटन राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक और सफल कदम सिद्ध होगी।

वेतनवृद्धि का लाभ नहीं देने पर नाराज उच्च न्यायालय

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मुख्य सचिव गृह विभाग वल्लभ भवन भोपाल को सात अलग अलग अवमानना याचिका में नोटिस जारी हुई है। मामला भारतीय सेना से सेवा निवृत्त होकर मप्र पुलिस विभाग में सेवा कर रहे आरक्षक संवर्ग से सम्बंधित है। भारतीय सेना में देशसेवा करके आए पुलिस विभाग के आरक्षकों ने पूर्व सैन्य सेवा को वर्तमान सेवा में जोड़कर वेतनवृद्धि की गणना किया जाकर लाभ का आवेदन दिया तो भूतपूर्व सैनिक को शासन ने इसका लाभ नहीं दिया। मूलभूत नियम 19 के स्थानीय शासन नियम 2 के तहत मप्र के कुछ जिलों में भोपाल के आरक्षक अशोक कुमार शर्मा, अरबेंद्र कुमार सिंह सीहोर और गौतम सिंह छिंदवाड़ा को ये लाभ दे दिए गए थे, इसके बाद आवेदकों को पृथक कारण बताकर उनके आवेदन पर विचार नहीं किए जाने से आवेदक गण व्यथित थे, जबलपुर उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं को गौतम सिंह छिंदवाड़ा के समान लाभ दिए जाने का आदेश दिया था। न्यायालय के आदेश का पालन समयसीमा में नहीं होने के कारण याचिका कर्ताओं ने उच्च न्यायालय जबलपुर में अवमानना याचिका दायर की थी, भोपाल, देवास, मुरैना, दमोह, रायसेन, जबलपुर के आरक्षकों की याचिका पर हाइकोर्ट ने मुख्य सचिव गृह विभाग वल्लभ भवन भोपाल को सात अलग अलग याचिका में नोटिस जारी किया है, याचिका कर्ताओं का पक्ष दीपक कुमार पांडे एडवोकेट ने रखा।

रोजगार सहायकों को चार माह से वेतन के पड़े लाले

परेशान होकर सात दिवसीय अवकाश का कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

जनपद पंचायत कोतमा अंतर्गत ग्राम पंचायत में पदस्थ रोजगार सहायकों ने चार माह से वेतन न मिलने से परेशान होकर सात दिवसीय अवकाश में जाने के संबंध मे बुधवार को कलेक्टर के नाम ज्ञापन जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती ममता मिश्रा को सौंपा गया है। ज्ञापन मे उल्लेख किया गया है कि हम सभी ग्राम रोजगार सहायक सहायक सचिव ग्राम पंचायत में पदस्थ है, वर्तमान में हम सभी को पिछले 4 माह का वेतन अप्राप्त है। रक्षा बंधन, नवरात्रि, एवं दीपावली त्यौहारो पर भी वेतन से वंचित रहना पड़ा है। विगत 4 माह से वेतन न मिलने से बच्चो की स्कूल की फीस, मकान किराया, लोन की किस्त, चिकित्सा व्यय आदि सभी दैनिक खर्चों के लिए रोजगार सहायक आर्थिक तंगी से जूझ रहे है। जिससे हम और हमारा परिवार मानसिक पीडा झेल रहे है किन्तु फिर भी हमारे द्वारा शासकीय कार्यो का निर्वाहन बगैर किसी व्यवधान उत्पन्न किये पूर्ण निष्ठा एवं इमानदारी से समय पर किया जा रहा है। हम सहपरिवार निवेदन करते हैं कि विगत 4 माह का वेतन भुगतान एक मुस्त प्रदाय किया जाये। साथ ही इस बात को सुनिश्चित किया जाये कि नियमित कर्मचारियों की भाति प्रति माह निश्चित तारीख को वेतन का भुगतान हो जाये। इसके विरोध स्वरूप हम सभी रोजगार सहायक जनपद पंचायत कोतमा के 29 अक्टूबर से 04 नवम्बर तक सामूहिक अवकाश पर रहेगे, यदि हमारी उक्त न्यायोचित मांग पर इस दौरान लंबित वेतन भुगतान का निराकरण नहीं कराया जाता है तो हमे मजबूरी बस अनिश्चित कालीन सामूहिक अवकाश पर जाना पड़ेगा। जिसकी सम्पूर्ण जवाबदारी प्रशासन की होगी।